Class Notes

कक्षा: आठवीं	पाठ: 5 शब्द-भंडार अनेक शब्दों के लिए शब्द एवं श्रुतिसम भिन्नार्थक दिनाँक: 03-02-2021
विषय: व्यवहारिक-व्याकरण (हिन्दी)	

निर्देश: अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (सर्वज्ञ से कृतज्ञ तक) तथा श्रुतिसम भिन्नार्थक (प्रसाद से धान तक) कंठस्थ करें एवं संबंधित प्रश्नों का अभ्यास अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखकर करें।

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द को हम इस प्रकार समझ सकते हैं-

भाषा की सुदृढ़ता एवं भावों की गंभीरता के लिए आवश्यकता है कि शब्दों (पदों) के प्रयोग में संयम से काम लिया जाए ताकि वह विस्तृत विचारों या भावों को थोड़े-से-थोड़े शब्दों में व्यक्त कर सकें।

भाषा को प्रभावशाली बनाने के लिए अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग किया जाता है।

इनके प्रयोग से भाषा में संक्षिप्तता तथा सौंदर्य आता है।

इन्हें वाक्यांश बोधक शब्द भी कह सकते हैं।

आइए, अब कुछ अनेक शब्द/वाक्यांश के लिए एक शब्द देखें -

अनेक शब्द/वाक्यांश	एक शब्द
1) जो सबकुछ जानता हो -	सर्वज्ञ
2) जो कम जानता हो -	अल्पज्ञ
3) जिसे जाना न जा सके -	अज्ञेय
4) जो कुछ न जानता हो -	अज्ञ
5) जो बात पहले कभी न हुई हो -	अभूतपूर्व
6) जिसमें शक्ति न हो -	अशक्त
7) जिसका कोई शत्रु न हो -	अजातशत्रु
8) जहाँ जाया न जा सके -	अगम्य
9) जो बिना वेतन के काम करे -	अवैतनिक
10) जिसमें जानने की इच्छा हो -	जिज्ञासु
11) जिसका वर्णन न हो सके -	अवर्णनीय

12) जो कम बोलता हो - मितभाषी

13) जो पंद्रह दिन में एक बार होता हो - पाक्षिक

14) जिसका आदि न हो - अनादि

15) जिसकी कोई संतान न हो - निस्संतान

16) जिसमें कोई संदेह न हो - निस्संदेह

17) जो नया आया हो - नवागत

18) जो अच्छे कुल में उत्पन्न हुआ हो - कुलीन

19) जो उपकार को माने - कृतज्ञ

आइए, अभ्यास करें

प्रश्न1: निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए-

(क) जो कम जानता हो ----------

(ख) जो कम बोलता हो ----------

(ग) जहाँ जाया न जा सके ----------

(घ) जो उपकार को माने ----------

(ङ) जो नया आया हो ----------

प्रश्न2: उचित मिलान कीजिए-

जिसे जाना न जा सके	अवर्णनीय
जो पन्द्रह दिन में एक बार होता हो	कुलीन
जिसमें कोई संदेह न हो	अज्ञेय
जो अच्छे कुल में उत्पन्न हुआ हो	पाक्षिक
जिसका वर्णन न हो सके	निस्संदेह

श्रुतिसम भिन्नार्थक (प्रसाद से धान तक)

प्रसाद - कृपा

प्रासाद - महल

जरा - बुढ़ापा

ज़रा - थोड़ा-सा

लक्ष - लाख की संख्या

लक्ष्य - उद्देश्य

मूल्य - कीमत

मूल - जड़

तरणि - सूर्य

तरणी - नाव

भवन - घर

भुवन - संसार

शस्त्र - हथियार

शास्त्र - कोई भी ग्रंथ

शाल - एक वृक्ष, चादर

साल - वर्ष

कटक - सेना का समूह

कंटक - काँटा

गुरु - आचार्य

गुर - हुनर, उपाय

ओर - तरफ, दिशा

और - तथा

आसन - बैठने के लिए बिछौना

आसन्न - निकट होना

अविराम - बिना रुके

अभिराम - सुंदर

उपयुक्त - ठीक, उचित

उपर्युक्त - ऊपर कहा गया

चपल - चंचल

चपला - बिजली

धान - चावल

धान्य - कोई भी अनाज

आइए, अभ्यास करें -

प्रश्न1: निम्नलिखित श्रुतिसम-भिन्नार्थक शब्दों से इस प्रकार वाक्य बनाइए कि उनके अर्थ स्पष्ट हो जाएँ -

(क) प्रसाद ----------

प्रासाद ----------

(ख) मूल्य ----------

मूल ----------

(ग) शस्त्र ----------

शास्त्र ----------

(घ) ओर ----------

और ----------

प्रश्न2: कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द छाँट कर खाली स्थान में भरिए -

(क) देखते-ही-देखते एक -------- और बीत गया। (शाल, साल)

(ख) हमें अपने ---------- का सम्मान करना चाहिए। (गुरु, गुर)

(ग) जो तुम्हें ---------- लगे वह काम करो। (उपर्युक्त, उपयुक्त)

(घ) इस वर्ष ---------- की फसल अच्छी हुई है। (धान्य, धान)

ज्ञातव्य: ऊपर-लिखित पाठ्य एवं लेखन- सामग्री पूर्णतया घर पर रहकर ही तैयार की गई है।